अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

कक्षा - बारहवीं

विषय कोड संख्या -523

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।

Downloaded from cclchapter.com

11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।

12.उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13.उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करे।

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड संख्या -523

कक्षा : बारहवीं अधिकतम अंक 80

सामान्य निर्देश :-

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकनको अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग	उत्तर संकेत/ मुख्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
1			1x5=5
	I. II. III. IV. V. .	ख) प्रकृति पर ग) क और ख दोनों सही हैं ख) प्रकृति पहले ख) विज्ञान के उद्यमशीलता के बल पर घ) उपर्युक्त सभी	1 1 1 1 1
2		Downloaded from cclchapter.com	1x5=5
	I.	क)धीरज	1

	II. III. IV. V. .	क) राष्ट्र घ) राष्ट्र भूमि क) जीवन भर क) जननी	1 1 1 1
3			1x 10=10
	I. II. III. IV. V. VI. VII. VIII. IX. X. .	(घ) वे नौकरी के साथ भेदभाव करते थे ख) रूप और यश सुनकर स्वयंवर के द्वारा ख) भगवान के यहां से ग)गांधी, नेहरू व अराफात के साथ घ) अहिंसा और सहअस्तित्व वाद का ग) जंगलों की कटाई से ग) ठेकेदारों,वन अधिकारियों और सरकारी करिंदों का ग) चढ़ावा खरीद कर न लाने का ग) कालिदास क) रामागिरी पर	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
4			1x5=5
	I. II. III. IV. V. .	प्रधानाचार्य के पुत्र के लिए पढ़ाई का पुतला कौन सी पुस्तक मांग बैठे आंखों में माल के लड्डू मांगने पर बालक का बचपन बच गया	1 1 1 1 1
5		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x2=4
		क)लेखक और उनके मित्रों की बातचीत प्रायः लिखने-पढ़ने की हिंदी में हुआ करती थी। इसमें 'निस्संदेह' शब्द प्राय: आया करता था। जिस स्थान पर लेखक रहता था, वहाँ अधिकतर वकील, मुख्तार, कचहरी के अफसर और कर्मचारी रहते थे। वे प्रायः उर्दू का प्रयोग करते थे। उनके उर्दू करनों में लेखक-मंडली की हिंदी बोली कुछ अनोखी लगती थी। इसी कारण उन लोगों ने इस लेखक-मंडली के लोगों का नाम 'निस्संदेह' रख छोड़ा था। **ख)बड़ी बहुरिया के लिए मायके ही वह स्थान रह गया था, जहाँ वह आश्रय की उम्मीद पा सकती थी। अतः वह अपने घरवालों को अपनी दशा बताने के लिए यह संदेश भेजना चाहती थी। उसका संदेश सुनकर वह चाहती थी कि मायके वाले उसे लेने आ जाएँ।** **ग)** प्रकृति के कारण जो विस्थापन मिलता है उसकी क्षतिपूर्ति Downloaded from cclchapter.com कुछ समय बाद पूर्ण की जा सकती है। लोग प्रकृति आपदा के	2 2 2

		बाद पुनः अपने स्थानों पर जा बसते हैं। सब कुछ नष्ट होने का दुख होता है लेकिन अपनी जमीन से वे जुड़े रहते हैं। औद्योगीकरण के कारण जो विस्थापन मिलता है, वह थोपा गया होता है।	
6			1x10=10
	I. II. III. IV. V. VI. VII. VIII. IX. X.	क)शब्दों के माध्यम से ख) राजा रतन सेन क) सांस्कृतिक सामाजिक क) खुद को ख) उंगलियों से कान बंद कर लेते हैं ख) निराशा और पराजित ग) कैलेंडर देखकर क) आंखों में विचित्र सी नमी दिखाई देती है घ) अधूरी रचना होगी घ)यह सभी विकल्प	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
7			6x1=6
		प्रसंग व्याख्या काव्य -सौन्दर्य	1 3 2
8		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x2=4
	क	एक नई-नवेली दुल्हन की आँखें में व्याप्त लज्जा और संकोच उसकी आँखों को चमक से भर देता है तथा वे झुक जाती है। उनकी पुत्री की आँखें भी वैसी ही झुकी हुई तथा चमक से भरी हुई हैं। धीरे-धीरे वह चमक आँखों से उतरकर होठों पर फैल रही है। यह चमक उनकी पुत्री के होठों में स्वाभाविक कंपन पैदा कर रहा है।	2
	ख	'आशा' बहुत शक्तिशाली है लेकिन साथ ही वह बावली भी है। यदि आशा डूबे हुए को सहारा देती है तो इससे वह क्रोधित भी हो जाता है। प्यार में उम्मीदें बहुत होती हैं. वह जिससे प्यार करता है उसके लिए हजारों सपने बुनता है। चाहे उसका बॉयफ्रेंड उससे प्यार करता हो या नहीं. वह उम्मीद के सहारे सपनों में तैरता है. तो आशा बुरी है.	2
	ग	ऋतुओं का सौंदर्य तथा उसमें हो रहे बदलावों से मनुष्य परिचित ही नहीं है। कवि के लिए यही चिंता का विषय है। प्रकृति जो कभी उसकी सहचरी थी, आज वह उससे कोसों दूर चला गया है। मनुष्य के पास अत्यानुधिक सुख-सुविधाओं युक्त साधन हैं परन्तु प्रकृति के सौंदर्य को देखने और उसे महसूस करने की संवेदना ही शेष नहीं बची है।	2
9		**अंतराल भाग -2 के आधार किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x3=6
		(क) वह स्वयं को समाज के आगे लज्जित नहीं करना चाहता था। वह जानता था कि कोई उसकी गरीबी का मजाक नहीं उड़ाएगा। लोगों को यह पता लगा कि उसके पास इतना धन था, तो वह लोगों को	2

Downloaded from cclchapter.com

		इसका जवाब नहीं दे पाएगा। अतः वह जगधर से अपनी आर्थिक हानि को गुप्त रखना चाहता था। (ख) कोइयाँ जल में उत्पन्न होने वाला पुष्प है। इसे 'कुमुद' तथा 'कोका-बेली' के नामों से भी जाना जाता है। इसकी विशेषताएँ इस प्रकार हैं- (क) कोइयाँ पानी से भरे गड्ढे में भी सरलता से पनप जाती है। यह भारत में अधिकतर स्थानों में पाई जाती है। (ग) इसकी खुशबू मन को प्रिय लगने वाली होती है। (घ) शरद ऋतु की चाँदनी में तालाबों में चाँदनी की जो छाया बनती है, वह कोइयों की पत्तियों के समान लगती है। दोनों एक समान लगती हैं। **(ग)** धरती के तापमान में बढोत्तरी का सबसे प्रमुख कारण है – वातावरण को गर्म करने वाली गैसों का अधिक से अधिक उत्सर्जन । कार्बन डाई ऑक्साइड , कार्बन मोनो ऑक्साइड , क्लोरो-फ्लोरो कार्बन आदि गैसे पृथ्वी के तापमान को बढाती है । ये गैसें अमेरिका और यूरूप के विकसित देश सबसे अधिक मात्रा में उत्सर्जित करते हैं जिसके कारण पृथ्वी के तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की बढोत्तरी हुयी है । **(घ)** विद्यार्थी विवेक के आधार पर उत्तर दें।	2 2 2
10	क		1x4=4
		I. 1556 , गोवा में II. किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर निश्चित काम करने वाला। III. रिपोर्टर जिसकी रुचि किसी विशेष मुद्दे में होती है। IV. रीडिफ डाटकोम	1 1 1 1
	ख		3x 2=6
		विशेष लेखन के अंतर्गत रिपोर्टिंग के अलावा विशेष विषय पर फीचर , टिप्पणी , साक्षात्कार , लेख , समीक्षा और स्तंभ भी हैं। बीट रिपोर्टिंग और फीचर्ड रिपोर्टिंग एक दूसरे से भिन्न हैं। बीट रिपोर्टिंग के लिए, रिपोर्टर को केवल एक विषय से परिचित होना चाहिए; उसे सामान्य रूप से समाचार लिखने की भी आवश्यकता है विशेष लेखन के तहत रिपोर्टिंग के अलावा उस विषय या क्षेत्र विशेष पर फ़ीचर, टिप्पणी, साक्षात्कार, लेख, समीक्षा और स्तंभ लेखन भी आता है	3 3
	ग	जिस विषय पर लिखना है लेखक को उसकी संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। विषय पर लिखने से पहले लेखक को अपने मस्तिष्क [illegible] विषय से जुड़े तथ्यों से उचित तालमेल होना चाहिए। विचार विषय से	5x1=5

Downloaded from cbsechapter.com

		सुसम्बद्ध तथा संगत होने चाहिए। अप्रत्याशित विषयों के लेखन में 'मैं शैली का प्रयोग करना चाहिए। अप्रत्याशित विषयों पर लिखते समय लेखक को विषय से हटकर अपनी विद्वता को प्रकट नहीं करना चाहिए। **अथवा** नाटक और कहानी में अंतर- कहानी में चित्रण होता है,नाटक मे मंचन होता है। कहानी का संबंध मात्र लेखक और पाठक से होता है, जबकि नाटक का संबंध पटकथा, पात्र, निर्देशक, दर्शक, इतिहास से होता है। कहानी कही व पढी जाती है, नाटक दर्शाए जाते हैं, उन्हें चित्रो व दृश्य मे बांटा जाता है। कहानी में मात्र पुस्तक या कथा कहने वालों की आवश्यकता होती है, किंतु नाटक में मंच, लाइट, पात्र, मेकअप, अभिनेता, निर्देशक इत्यादि की आवश्यकता होती है। नाटक के दृश्यों की छाप अधिक समय तक दर्शकों के मस्तिष्क पर रहती है, कहानी मस्तिष्क पटल पर समय के साथ धुंधली पड़ जाती है।	
11			2x 5=10
		क) सनातन धर्म- जो उपकार करें उसका प्रत्युपकार अवश्य करना चाहिए यही सनातन व पुरातन धर्म है अर्थात उपकार मानव जीवन में श्रेष्ठ कर्म है। ख) हेमू ने इब्राहिम खान, मोहम्मद खान, ताज कर्रानी ,रुखरवान नूरानी आदि अनेक अफगान विद्रोहियों की बगावत को कुछ गल करके आदिल के राजा की सुरक्षा की ग) अस्वच्छ व्यक्ति के आसपास कोई नहीं रहना चाहता वह दूसरों की नजरों से गिर जाता है । रोग ग्रस्त हो जाता है । अस्वच्छता परस्पर सौहार्द भाव में बाधा डालती है । अस्वच्छता से पर्यावरण प्रदूषित होने से अनेक प्रकार की बीमारियां जन्म लेती हैं। सरदार पटेल के जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि अगर हम दृढ़ता से किसी उद्देश्य की ओर प्रयास करें तो हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। गीता में आत्मा, परमात्मा, भक्ति, कर्म, जीवन आदि का वृहद रूप से वर्णन किया गया है. गीता से हमें यह ज्ञान मिलता है कि व्यक्ति को केवल अपने काम और कर्म पर ध्यान देना चाहिए. साथ ही कर्म करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हम जो भी कर्म कर रहे हैं, उसका फल भी हमें निश्चित ही प्राप्त होगा. .	2 2 2 2 2

Downloaded from cclchapter.com

Downloaded from cclchapter.com